

असाधार्ग **EXTRAORDINARY**

भाग I--- खण्ड 1 PART 1—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28] No. 281

मई विल्लो, मंगलवार, फरवरी 8, 1994/माघ 19, 1915 NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 8, 1994/MAGHA 19, 1915

वाणिज्य महालय

सार्वजनिक सूचना सं. 194/(पी एन)/92-97

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1994

फाइल सं. 3/339/92-ई. पी. सी.:--नियात एवं आयात नीति: 1992---97 (संशोधित यं करण: मार्च 93) के पैरा 16 के अन्तर्गत प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एतवद्वारा प्रक्रिया पुस्तक, 1992-97 (खण्ड-1) में निम्नेलिखित संशोधन करते है:---

- (1) अध्याय 7, के पैरा 126 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा आएगा:-"126 बैंक गारंटी/विधिक वचन पत्न की विमुक्ति निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने पर की होगी:---
 - (1) परिणिष्ट 24 के प्रपन्न में बैंक का वसूली प्रमाणपत्र या परिणिष्ट 18 के प्रपत्न में परियोजना प्राधिकारी का प्रमाणपत्न; और

- (2) सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा विधिवत् पृष्टांकित एवं हस्तांतरित ग्रायात एवं निर्यात के ब्योरे वाली डी ई. ई. सी. लाइसेंसधारक द्वारा स्वद्योषित विधरण, वास्तव में किए गए श्रायात और निर्यात का ब्यारा दणनि वाला सनदी लेखा-पाल द्वारा विधिवत सत्यापित विवरण और आवेदक द्वारा यह घोषणा कि:—
 - (क) मूल्य म्राधारित म्रिप्रिम लाइसेंस के मामले में, निर्वात छत्याद के विितर्शण में उपयोग किए गए किसी भी निवेश के सम्बन्ध में यदि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 191 क या 191 ख का लाभ नहीं उठाया गया हो और निर्वात उत्पाद के विविधिण में उपयोग किए गए किसी भी निवेश के सम्बन्ध में उवत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम।अली के नियम 56 क या 57 क के अधीन निवेश स्तर पर ऋण का दावा या म्राजन न किया गया हो।
 - (ख) माला ग्राधारित ग्रिप्रम लाइसेंस के मामले में उक्त लाइसेंस के मध्ये श्रानुमति निवेशों के सम्बन्ध में केन्द्रीय उपाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 191 क या 191 ख का लाभ नहीं उठाया गया हो।

यदि बाद में कोई मिथ्या निरूपण घलत बयानी या भुगतान करते में चुक पायी जाती है तो बैंक गारंटी/विधिक बचन पत्न की यिमुक्ति सीमाशुल्क प्राधिकारी को लाइसेंसधारक के विरूद्ध कार्रवाई करने से प्रतिबाधित नहीं करेगी।

2. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

डा. पी. एल. संजीव रेड्डो, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 194 (PN) |92-97

New Delhi, the 8th February, 1994

- F. No. 3|339|92-EPC.—In exercise of the powers conferred under paragraph 16 of the Export & Import Pol cy 1992—97 (Revised Edition: March 93) the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedure, 1992—97 (Vol·I):—
- (1) In Chapter VII, the paragraph 126 shall be substituted by the following:—
 - "126. Bank Guarantee LUT may be redeemed on submission of the following documents:—
 - (i) Realisation certificate from the bank in format at Appendix XXIV or payment certificate from the project authority in format at Appendix XVIII; and

- ii) DEEC containing details of imports and exports duly endorsed and signed by the Customs authorities, self declaration statement by the licence holder, statement duly certified by a chartered accountant showing details of actual imports and exports made, declaration by the applicant stating that—
- (a) in case of Value Based Advance Licence, the benefit of rule 191A or 191B of Central Excise Rules, 1944 has not been availed in respect of any of the inputs used in the manufacture of export product and no input stage credit under rule 56A or 57A of said Central Excise Rules has been claimed or availed in respect of any of the inputs used in the manufacture of export product.
 - (b) in case of Quantity Based Advance Licence, the benefit of rule 191A or 191B of the Central Excise Rules. 1944 has not been availed of in respect of inputs permitted against the said licence.

Redemption of Bank Guarantee LUT shall not preclude the Customs authority from taking action against the licence holder for any misrepresentation, misdeclaration and default detected subsequently."

2. This issues in public interest.

DR. P. L. SANJEEV REDDY, Director General of Foreign Trade